हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 22 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय युवा उत्सव में नैनपुर कॉलेज का परचम लहराया

नैनपुर। जिला स्तर युवा उत्सव की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्राचार्य डॉक्टर जी सी मेश्राम के निर्देशन में और डॉक्टर ज्योति सिंह प्रभारी युवा उत्सव एवं डॉक्टर संजीव कुमार सिंह, डॉक्टर लक्ष्मी राजपूत, रिया अवधवल के संयोजन में नैनपुर कॉलेज के विद्यार्थियों ने एकल गायन शास्त्रीय एवं एकल गायन वादन में नीरज सर्वे ने प्रथम एकल गायन सुगम में प्रगति अवधवल ने प्रथम,एकल नृत्य में अंकित साहू ने प्रथम ,समूह नृत्य में राहुल आर्मो रोशनी मरावी, कुंज बिहारी रूपा शिव वंशी,अनिशा यूके,लक्ष्मी उईके,उपेन्द्र उईके,,ने प्रथम स्थान, कार्टूनिंग ,एवं पोस्टर में सबनम वरकड़े ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्ले मॉडलिंग में पूनम सूर्यवंशी ने प्रथम भाषण एवं वाद विवाद में प्रवीण ठाकुर ने तृतीय और देवेंद्र परते ने भी वाद विवाद में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्पॉट पेंटिंग में आदित्य धुर्वे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी मण्डला का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यार्थियों ने नैनपुर महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कस्टम हायरिंग सेंटर औघटखपरी का निरीक्षण किया

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बुधवार को कस्टम हायरिंग केन्द्र औघटखपरी विकासखंड मण्डला का निरीक्षण किया। उन्होंने कस्टम हायरिंग केन्द्र में ट्रेक्टर, रोटावेटर, मल्टीक्राप, थ्रेसर, रीपर, स्ट्रारीपर, कल्टीवेटर का अवलोकन किया। कृषक श्री रूद्रप्रताप नारायण ने कस्टम हायरिंग केन्द्र की लागत 23 लाख 55 हजार रूपए बताया गया। जिससे कृषि अभियांत्रिकी जबलपुर से अनुदान राशि 40 प्रतिशत प्राप्त है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कस्टम हायरिंग केन्द्र में सभी मशीनों को स्टार्ट करवाकर उनका निरीक्षण किया और उपयोग करने के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने इस अवसर पर किसान रूद्र प्रताप सिंह ठाकुर के खेत में जाकर सुपरसीडर मशीन का भी अवलोकन किया। नरवाई न काटकर सुपरसीडर मशीन के माध्यम से गेहूं बुआई का कार्य किया जा रहा है। इससे भूमि की उर्वरकता क्षमता बढ़ती है और फसल का उत्पादन भी अधिक होता है।

रात्रि चौपाल में शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी मिलेगी-कलेक्टर

प्रशासन आपके द्वार के तहत धनगांव में रात्रि चौपाल

*** अधिकारियों ने शासन की योजनाओं के बारे में दी जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा शासन की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक बुधवार को किसी एक ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल आयोजित की जा रही है। विभाग प्रमुख अधिकारियों के द्वारा आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रम में हितग्राहियों को शासन की योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी जाती है। जिससे हितग्राही शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकें या शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आ सकें। रात्रि चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण भी किया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों को अपनी समस्याओं का निराकरण करने के लिए जनपद या जिला स्तर पर न आना पड़े। कलेक्टर सोमेश मिश्रा बुधवार को ग्राम धनगाँव जनपद पंचायत मवई में आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर रात्रि चौपाल कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, सहायक कलेक्टर आकिप खान, एसडीएम बिछिया सुश्री सोनाली देव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। चौपाल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के 8 आवेदन, स्वच्छ भारत मिशन योजना के 5 आवेदन, सामाजिक न्याय विभाग के 4 आवेदन, मनरेगा योजना अंतर्गत 14 आवेदन प्राप्त हुए जिनका निराकरण किया गया। राजस्व विभाग में बी-1 का वाचन किया गया। 18 फौती नामांतरण, दो बटवारा और एक त्रुटिसुधार किया गया। रात्रि चौपाल कार्यक्रम में 130 आयुष्मान कार्ड और 13 आधार कार्ड बनाए गए।

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने बताया कि रात्रि चौपाल कार्यक्रम में सभी विभाग प्रमुख अधिकारी शासन की योजनाओं से हितग्राहियों का चयन कर उन्हें लाभान्वित करेंगे। जिससे ग्राम पंचायत धनगांव में कोई भी हितग्राही शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि रात्रि चौपाल कार्यक्रम में शासन की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई है। ग्रामीणजन उक्त प्रदर्शनी का अवलोकन अवश्य करें। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि जिले के सभी ग्राम पंचायतों में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जिससे ग्राम पंचायत की समस्याओं का निराकरण ग्राम पंचायत स्तर पर ही किया जा सके और हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित जनसुनवाई में सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, पटवारी उपस्थित रहेंगे। ग्राम पंचायतों में गांव के विकास और उन्नति के लिए कार्ययोजना भी बनाई जाएगी, जिससे ग्राम पंचायतों का सर्वांगीण विकास किया जा सके। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर-घर तक नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाया जाएगा। इससे ग्रामीणजनों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि ग्राम पंचायत धनगांव में समस्त हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित किया जाएगा। छूटे हुए हितग्राहियों के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में पुनः जोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत धनगांव में प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित हितग्राहियों की सूची ग्राम पंचायत भवन में चस्पा की जाएगी, जिससे ग्राम पंचायत धनगांव के नागरिक प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की सूची का अवलोकन कर सकें। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने ग्राम पंचायत धनगांव में हितग्राहियों को कस्टम हायरिंग सेंटर खोलने के निर्देश दिए। कस्टम हायरिंग सेंटर में 9 प्रकार के कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। इसमें हितग्राहियों को लोन की सुविधा उपलब्ध कराकर सब्सिडी प्रदान की जाती है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने आयोजित रात्रि चौपाल में कहा कि मण्डला जिले में पेसा एक्ट लागू है। पेसा एक्ट के तहत गांव-गांव में शांति एवं विवाद निवारण समिति कार्यरत है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणजन पेसा एक्ट के तहत शांति एवं विवाद निवारण समिति में अपने छोटे-छोटे विवादों का निपटारा कर सकते हैं। उन्होंने चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों को साईबर अपराध के बारे में भी जानकारी दी और इससे बचने तथा धोखाधड़ी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने को कहा। पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन होने वाले व्यक्तियों की सूची तैयार करने को कहा तथा पलायन कर ले जाने वाले ठेकेदारों के नाम और मोबाईल नंबर की जानकारी भी रखने की सलाह दी। जिससे किसी भी प्रकार का संकट आने पर उनसे संपर्क किया जा सके। उन्होंने आयोजित चौपाल कार्यक्रम में नागरिकों को नशामुक्त रहने की सलाह दी, जिससे गांव-गांव नशामुक्त बन सके।

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने तेजस्विनी एकता महिला महासंघ कोको का निरीक्षण किया

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बुधवार को ग्राम कोको विकासखंड बिछिया में तेजस्विनी एकता महिला महासंघ के द्वारा कोदो-कुटकी नमकीन कुकीज उत्पादन का अवलोकन किया। तेजस्विनी महिला संघ के द्वारा कोदो-कुटकी के बिस्किट, नमकीन और चावल बनाए जाते हैं। उक्त उत्पादन को तेजस्विनी महिला संघ के द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों और बाजार में विक्रय के लिए भेजा जाता है। तेजसिवनी महिला संघ की महिलाओं के द्वारा कोदो-कुटकी से चावल बनाए जाते हैं। मसाला तैयार किया जाता है, इसके बाद मशीन के माध्यम से आटा तैयार कर सांचे में बिस्किट एवं अन्य मिष्ठान्न तैयार किए जाते हैं, जो पूर्णतः जैविक होते हैं। समूह की महिलाओं ने बताया कि यह समूह सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। समूह की महिलाएं आपस में समन्वय बनाकर काम करती हैं। समूह की महिलाओं के द्वारा आय-व्यय का पूरा ब्यौरा रखा जाता है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने तेजस्विनी महिला संघ के द्वारा तैयार किए जा रहे बिस्किट एवं अन्य पकवान की प्रशंसा की। उन्होंने तेजस्विनी महिला संघ को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव मदद करने की बात कही। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने की नगरीय क्षेत्र की समस्या पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नगर पालिका टाउन हाल में नगरीय क्षेत्र की समस्या पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहर व निकाय के सभी वार्डों को साफ-सफाई, सड़क, पेयजल, नाली आदि व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए नगरीय निकाय के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदगण और अधिकारी-कर्मचारी एक टीम के रूप में कार्य करें। कलेक्टर ने कहा कि शहरी क्षेत्र के निवासियों को प्रदाय की जाने वाली सभी आवश्यक सुविधाओं के अनुरूप सेवाओं को सुचारू रखा जाना चाहिए तथा शहरी क्षेत्रों में बढ़ते अतिक्रमण को रोकने के लिए भी सार्थक कदम उठाए जाएं। बैठक में उन्होंने बस स्टेंड को शिफ्ट, मछली-मांस, शहर से गाजीपुर चौराहा तक 4 लेन सड़क निर्माण के संबंध में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, समस्त पार्षदगण सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की मण्डला-जबलपुर मार्ग की समीक्षा

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मण्डला-जबलपुर रोड निर्माण कार्य की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने मण्डला-जबलपुर मार्ग के निर्माण कार्य में गुणवक्ता एवं तय मानकों का विशेष ध्यान दें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि मण्डला से जबलपुर एवं मण्डला से रायपुर मार्ग में आवश्यक जगहों पर संकेतक लगाएं। उन्होंने कहा कि बबैहा पुल के लिए नवीन पुल निर्माण का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मण्डला-जबलपुर मार्ग में डामरीकरण की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट के गोलमेज में सम्पन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

वन सुरक्षा श्रमिकों ने वन परिक्षेत्र अधिकारी टिकरिया को सौंपा आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

मण्डला के जिले अंतर्गत वन परिक्षेत्र टिकरिया फड़की बीट सिवनी माल के वन सुरक्षा श्रमिकों ने वन विभाग को ब्याज की राशि एवं नियमित कार्य पर रखने हेतु 22/10/2024 को पोस्ट आफिस निवास द्वारा रजिस्ट्री के माध्यम से लिखित आवेदन दिए हैं।

आवेदकों ने लिखित आवेदन के माध्यम से कहा है की हमें वन सुरक्षा श्रमिक के कार्य पर वर्ष 2007 में नियोजित किया गया था और हमने अक्टूबर 2011 तक निरंतर कार्य किया है। जिसमें फरवरी 2009 से अक्टूबर 2011 तक की अवधि की लंबित मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया, उक्त समस्या पर कई बार विभाग के जिम्मेदारों को आवेदन निवेदन किया गया। परंतु भुगतान न किए जाने पर व्यथित होकर माननीय श्रम न्यायालय जबलपुर के समक्ष याचिका क्रमांक 40/पी. डब्ल्यू एक्ट/2014 प्रस्तुत की गई। जिस पर माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक 28/10/ 2015 को राशि 2.69.280 रू. का भुगतान हेतु आदेशित किया गया था।

लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने उक्त आदेश का पालन नहीं किया जिस पर माननीय उच्च न्यायालय की मुख्य खंडपीठ जबलपुर में याचिका MP/3561/2023 प्रस्तुत किए जाने पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 18/07/2023 को आदेशित किया गया।

उक्त भुगतान पर अक्टूबर 2024 में सिर्फ राशि 2.69.280/- रू. का भुगतान किया गया है। जबकि उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश के मुताबिक अक्टूबर 2011 से अक्टूबर 2024 तक की ब्याज 12% प्रतिवर्ष के हिसाब से राशि 4 लाख 52,390/-रू. का भुगतान होना था जिसे नहीं किया गया है।

इनकी मांग है कि ब्याज की राशि 4 लाख 52,390/-रू. का भुगतान अति शीघ्र हम वन सुरक्षा श्रमिकों को किया जाए तथा साथ ही पुनः कार्य में रखते हुए वर्ष 2007 से निरंतर कार्य सेवा मानी जाए, अन्यथा हम विवश होकर पुनः माननीय न्यायालय की शरण में जाने मजबूर होंगे।

भागवत कथा | राधा-कृष्ण और बाहुबली हनुमान की झांकी रही आकर्षण का केंद्र।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत सप्ताह का शुभारंभ

*** 22 से 28 तक होंगे विभिन्न धार्मिक आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

निवास के समीपी ग्राम पिपरिया में ग्राम के प्रतिष्ठित चौकसे परिवार के द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ 21 नवंबर गुरुवार को कलश यात्रा के साथ हुा.कलश यात्रा कथा व्यास पं. श्री अनुज कृष्णम जी महाराज एवं स्थानीय संत जनों के सानिध्य और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में बैंड-बाजे,महाकौशल की सुप्रसिद्ध आकर्षक झांकी जिसमें राधा-कृष्ण, बाहूबली बजरंगबली की जीवंत झांकी एवं रंग बिरंगी आतिशबाजी, कलात्मक रंगोली, पुष्प वर्षा, रथ के साथ पिपरिया स्थित सिंघवाहिनी मंदिर से आरंभ होकर ग्राम भ्रमण करते हुए ग्राम की माता खेरमाई मंदिर, शनि मंदिर में पूजन अर्चन करते हुए वापिस कथा स्थल में संपन्न हुई। यात्रा के दौरान यात्रा में शामिल महिलाओं एवं पुरुषों ने पीले वस्त्र धारण किये हुए थे जिससे कलश यात्रा बड़ी ही आकर्षक लग रही थी।

श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में 21 नवंबर गुरुवार को कलश यात्रा एवं भागवत महात्म, 22 नवंबर शुक्रवार को कपिल गीता ध्रुव चरित्र, 23 नवंबर शनिवार को प्रहलाद चरित्र, 24 नवंबर रविवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 25 नवंबर सोमवार को बाल लीला, 26 नवंबर मंगलवार को रुकमणी विवाह, 27 नवंबर बुधवार को सुदामा चरित्र का वर्णन एवं 28 नवंबर गुरुवार को गीता पाठ, हवन-भंडारा के साथ समापन होगा कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक वाचन किया जायेगा। चौकसे परिवार के द्वारा समस्त क्षेत्रवासियों से भागवत कथा में सम्मिलित होने का आग्रह किया गया है।

महाकौशल की सुप्रसिद्ध आकर्षक झांकी जिसमें राधा-कृष्ण, बाहूबली बजरंगबली की जीवंत झांकी ने ग्रामीणों मनमोह लिया युवाओं ने ली शेल्फी कलश यात्रा को दौरान पूरे पिपरिया ग्राम में भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया इतना ही नहीं महाकौशल की सुप्रसिद्ध अंशुल एवं उनकी टीम राधा कृष्ण, झांकी ओर हनुमान जी में आर एस इवेंट की आकर्षक झांकी जिसमें राधा - कृष्ण, बाहूबली बजरंगबली की जीवंत व आकर्षक झांकी प्रसिद्ध धार्मिक गानों में नृत्य ने ग्रामीणों को मंत्रमुग्ध कर दिया, ग्रामीणों इतने भावविभोर हो गये के स्वयं भी गानों की धुन में थिरकने से अपने आपको रोक नहीं पाये, वहीं युवा शेल्फी लेते नजर आये. कलश यात्रा के सफल आयोजन में पुलिस प्रशासन का सक्रीय योगदान रहा।

कथा श्रवण करने पहुंचे विधायक

कलश यात्रा के समापन के साथ ही प्रथम दिवस की कथा का वाचन किया गया जिसे सुनने निवास विधायक चैन सिंह वरकड़े और कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष राकेश तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधी पहुंचे और कथा व्यास जी का आशिर्वाद लिया. वही कलश यात्रा में सांसद प्रतिनिधि विकास यादव,हिन्दू सेवा परिषद प्रदेश महासचिव धर्मेंद्र सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

सीईओ जिला पंचायत ने किया बक्छेरादोना में अमृत सरोवर का निरीक्षण

मण्डला। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने मण्डला विकासखंड के ग्राम बक्छेरादोना अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि जल संचय करने के लिए गहरीकरण करने और ओवरफ्लो की ऊँचाई बढ़ाएं। सीईओ जिला पंचायत ने अमृत सरोवर के मेढ़ में आगामी वर्षाकाल के पूर्व फलदार पौधे एवं तालाब के सौंदर्यीकरण के संबंध में चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत मण्डला विनोद मरावी सहित संबंधित उपस्थित थे।

नारायणगंज में पालतू जानवरों का आतंक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज के ग्राम पंचायत पड़रिया एवं खैरी में पालतू जानवरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि आने वाले लोगों पर हमला कर रहे हैं अवैध रूप से बीच सड़क में सब्जी के ठेले लगे के कारण वहां पर पालतू जानवरों का जमावड़ा रहता है जिसके कारण आने जाने वाले लोगों पर हमला हो रहा है जिससे कई लोग चोटग्रस्त हो चुके हैं लगातार पंचायत को जानकारी देकर एवं लिखित शिकायत करने के बाद भी कोई भी समस्या का हल नहीं हो पा रहा है इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नारायणगंज को भी सूचित किया है परंतु इस तरह की लापरवाही के कारण लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है बस स्टैंड के आसपास अवैध रूप से सब्जी के ठेले लगे के कारण वहां के सड़े हुए पदार्थ सड़क पर बिखरने से वहां पर पालतू जानवर इकट्ठे होते हैं जिससे आवाज गण में परेशानी होती है पालतू जानवर द्वारा अंकुश न लगाने के कारण लोगों के खड़े हुए वहां पर राशन सामग्री, थैली तोड़कर सामग्री खा लेते हैं इस तरह का आतंक मचा हुआ है नारायणगंज के आसपास के जानवर भी बस स्टैंड में आकर जमा होते हैं कांजी हाउस न होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है इस संबंध में लगातार शिकायत हो चुकी है पर उसका हल नहीं हो पा रहा है।

खबर संक्षेप

भारी वाहनों पर निर्धारित समय के लिये लागू की जावे नो एन्ट्री

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर सांईखेड़ा क्षेत्र में लगातार विकास की बात तो आये दिन होते हुए सुनी जा रही है। मगर नगर की प्रमुख समस्या को लेकर आज तक निजात दिलाने की ओर किसी भी प्रकार की पहल नही होना जहां क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास के कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी भी इस समस्या के चलते खतरे से खाली दिखाई नही दे रही है। क्योंकि इस समस्या के बीच गरीब लोगों को मौत के मुख्य में बैठकर अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए मजबूर देखा जा रहा है? बताया जाता है कि नगर के बीचों बीच से निकला हुआ प्रदेश की राजधानी से जुड़ने वाले स्टैट स्तर के मार्ग पर जिस प्रकार से दिन भर भारी वाहनों की धमाचौकड़ी लगी रहती है। वही दूसरी ओर इस मार्ग के किनारे ही लगने वाले साप्ताहिक बाजार में दुकानदारी करने वालों के लिए भी खतरे की घंटी बजाते हुए यह वाहन तेज गति से दौड़ रहे है? इतना ही नही इसी मार्ग से जहां नगर के स्कूली बच्चों का आना जाना रहता है। वही दूसरी ओर अन्य शासकीय कार्यालयों में पहुचने वाले लोगों का भी दिन पर इस मार्ग पर आना जाना होने क कारण जब इस मार्ग से भारी भरकम वाहनों का निकलना होता है तो आये दिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। वही दूसरी ओर बाजार के दिन तो यह हाल होता है कि लोगों का निकलना ही मुश्किल हो जाता है। इस सच्चाई को देखते हुए बीते लम्बे समय से लोगों द्वारा सांईखेड़ा में वायपास मार्ग की मांग की जा रही है।

गन्ना फसल को जकड़ रहे फुन्दीनुमा कीट, किसान में फैल रही चिंता की लकीरें

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र का किसान लगातार परेशानियों से जूझने के लिये मजबूर होते हुई दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि जिस प्रकार से क्षेत्र का किसान रात दिन एक करते हुये अपने खेतों में गन्ना की फसल को तैयार करने में लगा हुआ देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर जहां इस वर्ष किसानों को धान सोयाबीन, उड़द व मूक सहित अन्य फसलों पर जो उम्मीद जाग रही थी वह तो समय पर बारिश न होने के कारण बर्बाद हो चुकी है..., मगर इसके बाद किसानों को अपनी गन्ना फसल को लेकर अनेक प्रकार के सपने संजोये जा रहे थें। मगर जिस तरह गन्ना फसल में फुन्दीनुमा कीट लगाते हुये देखा जा रहा है उससे यह जान पड रहा है कि शायद किसानों की यह फसल भी धोखा दे जावेगी। क्योंकि किसानों की गन्ना फसल के अंदर यदि प्रवेश करके देखा जावे तो निश्चित तौर से फुंदी नामक कीट किस स्थिति में फसल को बर्बाद कर रहा है उसकी सच्चाई खेत में पहुंचते ही उजागर होने से नही बच पा रही है। यह बात अलग है कि इस समय किसानों के गन्ना की कटाई का कार्य तो शुरू हो चुका है मगर देखा जाता है कि इस कार्य को पूर्ण होने में फरवरी मार्च तक का समय लग जाता है इस स्थिति में निश्चित तौर से अंतिम बेला तक यह फंदी किसानों की गन्ना फसल को काफी हद तक प्रभावित कर चुकी होगी।

बाजार में छले जा रहे उपभोक्ताओं का भगवान ही मालिक, पक्के बिल देने से कतरा रहे व्यापारी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शहर सहित क्षेत्र के बाजारों में बढ़ रही बाजारो की चकाचौंध बढ़ने के साथ ही आस पास के गॉवो में स्थित दुकाने भी आधुनिक दौर की मनचाही चीजो से सजने लगी है, जीवन शैली बदलने, उपभोक्ता वादी संस्कृति की वजह से बाजार का विस्तार हो रहा है। यह बात अपनी जगह सही है किन्तु हकीकत यह है कि चमकते, दमकते बाजार में वर्तमान में उपभोक्ता की हैसियत ऐसी आदमी की रह गयी है, जो चुपचाप बिना मोलतोल किए अपनी जरूरी की चीजें खरीदकर घर वापिस हो जाते है, जाहिर है व्यापारी मुनाफा कमाने के चक्कर में इतनें संबेदन हीन हो गए है कि उन्हे उपभोक्ताओं को हितों को नजर अंदाज करने में मजा आ रहा है।

मासूम छात्रों की जिन्दगी से निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है खिलवाड़, वाहनों में भेड़ बकरी के तरह भकर ढोया जा रहा है स्कूली बच्चों को?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जहां एक ओर शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी धडल्ले से निजी शिक्षण संस्थाएं खुल रही है उसका परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि वह बच्चों को शिक्षा देने की ओर कम और अपनी कमाई की ओर ज्यादा ध्यान देते हुये देखे जा रही है..? क्योंकि इन निजी शिक्षण संस्थाओं में अपनी कमाई के चलते स्कूल संचालकों द्वारा मनमाने तोर से अभिभावकों से फीस बसूलते हुए उन्हें अच्छी सुविधाएं देने की बात तो कही जाती है। मगर उनके द्वारा न तो बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा रहा है और न ही उनके द्वारा शिक्षा विभाग द्वारा बनाये गये नियमों का पालन किया जा रहा है? जिसके चलते शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे इन स्कूलों द्वारा शिक्षा विभाग के नियमों का पालन करते हुए मुश्किल से दो चार शिक्षण संस्थाएं ही मिल पायेगी जो शिक्षा विभाग के आदेशों के नियमानुसार संचालित हो रही होगी। मगर यहां पर तो स्थिति यह बनी है कि शहर से लेकर गांव गांव किराना दुकान के तरह से निजी शिक्षण संस्थाओं खुलेते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। जबकि इन शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब नया शिक्षा सत्र शुरू होता है तो अभिभावको को अनेक प्रकार के प्रलोभन देने के साथ सभी सुविधाओं का भरोसा दिलाने से नही चूकते है। मगर वह सुविधाएं बाद में कोसो दूर तक दिखाई ही नही देती है। वही दूसरी ओर अविभावकों से बच्चों को स्कूल लाने ले जाने के नाम पर जिस प्रकार वाहन शुल्क बसूला जाता है। मगर यदि उन वाहनों की स्थिति पर गौर किया जावे तो स्कूली वाहनो में संस्था के संचालको द्वारा मासूम बच्चों को भेड़ बकरी की तरह ठूस ठूस कर भरने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। वही दूसरी ओर अनेक शिक्षण संस्थाओं द्वारा जो वाहन छात्र छात्राओं के लाने ले जाने में उपयोग किये जा रहे है। यदि उनकी आर टी ओं संबंधित जानकारी देखी जावे तो अनेक शिक्षण संस्थाओ के पास वाहनों का परमिट व बीमा ही नही होते है। कुछ वाहन तो इस प्रकार के होते है जो निजी उपयोग के नाम पर दर्ज है। मगर उनका उपयोग स्कूलों में बच्चों को लाने ले जाने में किया जा रहा है? इतना ही नही इन वाहनों को चलाने वाले चालको की सच्चाई तो वह शिक्षा विभाग के नियम से पात्र न होने के बाद भी वह स्कूली वाहन दौड़ाते हुये देखे जा रहे है। नियम के अनुसार बताया जाता है कि यदि किसी शिक्षण संस्था के पास वाहनों का परमिट लिया भी गया है तो वह मात्र नगरपालिका एक फिर नगर परिषद एरिया तक ही सीमित है। जबकि इन संस्थाओ द्वारा आने वाहनों को समीपस्थ क्षेत्र के गांवों तक दौडते हुये देखा जा रहा है। इस तरह शहर के बाहरी इलाकों से खुलेआम छात्र छात्राओं को बगैर परमिट व बीमा वाली बसों के माध्यम से लाना ले जाना किया जा रहा है जो पूर्णरूप से अवैध होने के साथ साथ छात्र छात्राओं की जिन्दगी के साथ खुला खिलबाड़ होने से नही चूक रहा है? वही नियम के साथ यदि किसी शिक्षण संस्था के पास अपने वाहन का परमिट है भी तो उसमें निर्धारित सबारियों की जगह मनके मुताबिक भेड़ बेकरी के तरह बच्चों को भरने से नही चूक रहे है? जबकि क्षेत्र की अनेक निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा अपने वाहनों का टेक्स तक नही भरे जाने के बाद भी वह स्कूली बच्चों को ढोते हुये देखे जा रहे है। इस स्थिति में संबंधित विभाग विभाग को तो राजस्व की क्षति हो ही रही है दूसरी ओर बच्चों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही चूक पा रही है। मगर इसके बाद भी संबंधित विभाग से लेकर क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी उनकी कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक पा रही है? इस तरह नगर से लेकर क्षेत्र के अन्य गांवो व कस्बो में संचालित होने वाले अनेक हाई फाई स्टेन्डर शिक्षण संस्थाओं में चल रही बसों व मैजिक गाडिया तथा बेनों सहित आटों में स्कूली बच्चों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ होते हुये आसानी से देखा जा सकता है जो बगैर परिमट व बीमा सहित आर टी ओ टेक्स का भुगतान किये हुए प्रतिदिन नगर सहित आसपास के थाने क्षेत्रों की ग्रामीण सड़कों पर दौड़ती हुई नजर आ रही है। इस प्रकार से इन निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा वाहन शुल्क के नाम पर अभिभावकों से तो फीस के रूप में पूरी राशि बसूली जा रही है। मगर उनके द्वारा मासूम बच्चों की जिन्दगी की साथ खुला खिलबाड़ किया जा रहा है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि भगवान न करे कि इस तरह बगैर परमिट, बीमा व बगैर टेक्स का भुगतान किये बच्चों को लेकर दौड रहे इन स्कूली वाहनों में यदि कोई घटना घटित हो जाती है तो उन मासूम बच्चों का क्या हाल होगा और इसका जिम्मेदार कौन रहेगा..? कुछ स्कूली वाहनों की हालत तो इस तरह से देखने मिल रही है कि उनके कांच तक टूटे फूटे है होने के साथ उन्हे चालू करने के लिए स्कूली बच्चों को ही धक्का तक लगाते हुए देखा जाता है। मगर हैरत की बात है कि निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा बच्चों को लाने ले जाने के नाम पर वाहन शुल्क के रूप में मनमानी फीस बसूले जाने के बाद मासूम की जिन्दगी के साथ की जा रही खिलबाड़ को लेकर जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुये है। इस सच्चाई को लेकर आमजन का कहना है कि सही मायने में देखा जावे तो पुलिस प्रशासन एवं यातायात विभाग की उदासीनता का ही परिणाम है कि इन शिक्षण संस्थाओं के संचालकों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है कि वह खुलेआम जहां मासूम बच्चों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ करने से नही चूक रहे है? यदि पुलिस प्रशासन द्वारा इनके खिलाफ जांच अभियान छेड़ देती है तो निश्चित ही नियमों को दर किनार करते हुयें सड़को पर दौड रहे इन स्कूली वाहनों की मनमानी पर अंकुश लगने में देर नही लगेगी।

पांच साल में खत्म हो गए हजारों हरे पेड़

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रदेश सरकार हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाकर शहर,क्षेत्र के गांवो में छायादार,फलदार वृक्षो का रोपण करने लोगो को प्रोत्साहित करते है किंतु वृक्षारोपण अभियानो के दौरान हर वर्ष लगाए गए अधिकांश वृक्ष रख रखाव के अभाव में या तो सूख जाते है या फिर जानवरो द्वारा नष्ट कर दिए जाते है। सूत्रो के अनुसार पिछले पॉच साल में शहर व क्षेत्र के गांवो में लगाये गए हजारो पेड़ लोगों की असावधानी से ठूँठ में तब्दील हो चुके है तथा हजारो रूपया खर्च करते हुए पंचायतों में

चलाया गया हरियाली महात्सव का क्या हाल यह बात किसी से छीपी हुई नही है, आज यदि उन पौधों को देखा जावे तो ट्री गार्ड में पेडो की जगह मात्र गाजर घास ही नजर आ रही है, जिससे पौधारोपण के अभियानो के महत्व पर सवालिया निशान लग रहा है। बताया जाता है कि शहर की शैक्षणिक संस्थाओं तथा शासकीय कार्यालयो के इर्दगिर्द पूर्व में नेताओं, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियो ने आम, नीम, गुलमुहार, फूलो के जो पौधे लगाए थे,उनको खाद,पानी की व्यवस्था न होने से वे सूख गए है तथा उनमें लगाए गए ट्री गार्ड कबाड़ी की दुकानो पर पड़े दिखायी पड़ रहे है। विदित हो कि क्षेत्र में वन विभाग की ओर से शासन के निर्देशानुसार बीते हुए वर्षो में लगभग 40 हजार पौधो का रोपण जंगल क्षेत्र में कराया था तथा शिक्षा संस्थाओं के परिसरो में बड़ी संस्था में पौधारोपण किया गया था, लेकिन विडम्बना की बात है कि शालाओं में रोपे गए पौधो की सुरक्षा में कोताही बरती जा रही है, जिससे हरियाली बिखेरने वाले ये पौधे असमय सूखते चले जा रहे है, शहरवासियो ने विभिन्न शालाओं के प्राचार्यो से शालाओं के परिसरो में रोपे गए पौधो को सलामत रखने की व्यवस्थाएँ करने की गुहार लगायी है।

मनुष्य को उसके कर्तव्यों का बोध कराती है रामकथा-वीरेन्द्र शास्त्री

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव स्थित साई धामं मंदिर समिति द्वारा 7 दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा के अयोध्या कांड का आयोजन किया जा रहा है।। इस आयोजन के चलते ग्राम में जहां चारों ओर धर्म की गंगा बहते हुये देखी जा रही है। वही आयोजन के द्वितीय दिवस कथा व्यास पंडित बीरेन्द शास्त्री महाराज ने राम कथा का श्रद्धालुओं को रसपान कराते हुये भगवान श्रीराम की लीलाओं के वर्णन के दौरान कहा कि श्रीराम कथा विश्व कल्याणदायनी है, लोक मंगलकारी है। प्रभु श्रीराम का आचरण एवं व्यवहार अपनाने से जीवन आनंदमय हो जाता है। गोस्वामी तुलसीदासजी महाराज ने श्रीराम कथा के माध्यम से मानव जीवन संबंधों की महत्ता स्थापित की है। यही वजह है कि श्रीरामचरित मानस में गुरु, माता-पिता, पुत्र-पुत्री, भाई, मित्र, पति-पत्नी आदि का कर्तव्य बोध एवं सदाचरण की सीख हमें सर्वत्र मिलती है। वही कथा में राजा दशरथ जी के प्रसंग पर प्रकाश डालते हुये बताया कि राजा दशरथ वड़े ही विद्वान राजा थे बड़े सतकर्मी थें। मगर जिस तरह उनके द्वारा जंगल में शिकार करते हुये वाण से हुई मौत के दौरान उन्हें जो श्राफ मिला था कि वह भी पुत्र वियोग में अपने प्राण त्यागेगे। इसका मतलब यह हुआ कि कभी भी इस तरह के कार्य नही करना चाहिये जिसके चलते सामने वाले के दिल से अपके लिये कोई बदुआ निकले। किसी भी परेशान, गरीब, असहाय व्यक्ति की हो सके तो मदद करो, यदि मदद नही कर सकते हो तो उसकी परेशानी को बढ़ाने वाला कार्य नही करना चाहिये। क्योंकि किसी परेशान प्रताड़ित व्यक्ति के दिल से जो श्राफ निकलता है वह बर्बाद करने से नही चूकता है। इसी प्रकार से भगवान श्रीराम ने बुरे कार्य करने वाले को भी श्राप नही दिया उनके द्वारा समझाने का ही प्रयास किया गया है। लंकापति रावण का बध करने के पहले भी भगवान रामजी ने अनेकों बार उसे समझाने का प्रयास किया गया था। इस तरह किसी भी व्यक्ति के दिल से निकला हुआ आर्शीवाद आपके जीवन को खुशहाल बना सकता है। अक्सर देखा जाता है कि लोग जब किसी व्यक्ति को जरूरत पड़ने पर उधार के रूप में पैसा दे देते है। मगर उसके बाद मनमाने ब्याज के रूप में जब उससे बसूली की जाती है तो परेशान होने से नही चूकता है। यदि किसी को आपने उधार दिया है तो ब्याज बसूलने में कोई बुराई नही है। मगर उसके लिये भी नियम कानून व निर्धारित मात्रा होती है। यदि कर्जदार से नियम के तहत निर्धारित मात्रा में ब्याज लिया जावेगा तो वह बड़ी ही प्रसन्नता के साथ देगा। मगर जब साहूकार द्वारा मनमाना ब्याज जोड़कर बसूला जावेगा तो निश्चित तौर कर्जदार के मन से आपके लिये दुआ नही बल्कि बदुआ ही निकलेगी जिसे शास्त्रों की भाषा में श्राप भी कह सकते है। यदि कोई व्यक्ति कोई चीज प्रसन्नता से दे रहा है उसे लेने में बुराई नही है.., मगर किसी का दिल दुखाते हुये किसी चीज की प्राप्त की जावेगी जावेगी तो वह निश्चित ही दुखदायी साबित होने से नही चूकता है। इसलिये कहा गया है कि किसी सच्चे दिल वाले व्यक्ति द्वारा दिया गया श्राफ कभी खाली नही जाता है। इस तरह चल रहे श्रीराम कथा के आयोजन में प्रतिदिन भक्तों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है।

चीचली शहर की लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

यातायात व्यवस्था सुधारने से लेकर लोगों को कानून का पाठ पढ़ाने के लिये आये दिन पुलिस को क्षेत्र की सड़को पर अपने हाथों में एक डायरी रूपी कट्टा रखे हुये चालानी प्रक्रिया को अंजाम देते हुये देखा जा सकता है, मगर इस समय जिस प्रकार से चीचली नगर के अंदर जो यातायात व्यवस्था बिगड़ी हुई है उस ओर चीचली पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि जहां नगरवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर महिलाओं को नगर के अंदर की सड़को से निकलना मुश्किल हो चुका है? क्योंकि इस समय नगर के बाजार क्षेत्र की मुख्य सड़क पूर्णरूप से वाहन स्टेन्ड के रूप में नजर आने से नही चूक पा रही है, क्योंकि जिस प्रकार से वाहन मालिको द्वारा अपने वाहनों को मुख्य सड़क सहित लोगों के घरों के सामने खड़े किये जा रहे है उसके चलते नगर की सड़को से वाहन निकलने की बात तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल हो चुका है, वही दूसरी ओर जिस प्रकार से लोगों के घरों के सामने वाहन खड़े किये जा रहे है उसके चलते आये दिन विवाद की स्थिति पैदा होने से भी नही चूक पा रही है? मगर यातायात में सुधार लाने के नाम पर चालानी कार्यवाही में मस्त रहने वाली चीचली पुलिस द्वारा इस सच्चाई को जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उससे यह जान पड़ने लगा है कि शायद चीचली पुलिस द्वारा नगर के अंदर किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार किया जा रहा हो? इस प्रकार से देखा जा रहा है कि पुलिस की उदासीनता के चलते चीचली नगर के अंदर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से बेहाल हो चुकी है।

आटों चालकों द्वारा खुलेआम किया जा रहा यात्रियों की जिन्दगी के साथ खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर सहित क्षेत्रों सड़कों पर दौड़ रहे आटों चालकों की इस प्रकार की मनमानी देखने मिल रही है कि वह जहां यातायात व्यवस्था को बदहाल बना रहे है, वही दूसरी ओर आये दिन देखा जाता है कि जहां तहां आटों खड़े कर दिये जाने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो नगर सहित क्षेत्र की सड़को पर ओवर लोडिंग आटों चलाना आम बात हो रही है? इतना ही नही पुलिस प्रशासन की उदासीनता के चलते अब तो इन आटों चालकों के हौसले इतने बुलंद दिखाई पड़ने लगे है कि वह आटों में सबारी करने वाले यात्रियों की जिन्दगी के साथ खुलेआम खिलवाड़ करते हुए दिखाई देने से नही चूक रहे है? इस बात की सच्चाई नगर के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में सबारी लेकर जाने वाले आटों में आसानी से देखने मिल रही है जो धन के लालच में आटों में बैठी हुई सबारियों की जिन्दगी खतरे में डालने से नही चूक रहे है? बताया जाता है कि यह आटों चालक अपने आटों में सबारियों के साथ साथ गैस सिलेण्डर भरकर सड़क पर दौड़ाते हुये देखे जा रहे है। इस प्रकार से जहां किसी भी सबारी आटों में गैस सिलेण्डर परिवहन करना नियम विरूद्ध माना जाता है। जिसमें प्रमुख रूप से सबारियों के इस तरह गैंस से भरे हुये सिलेण्डर लाना ले जाने निश्चित तौर सबारियों के लिये खतरे से खाली नही रहता है?

बाइक की टक्कर से पहुंची चोट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये शिवाजी वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस जब मैं छीपा तिराहा पर चाय पी रहा था जो देखा कि मेरे चाचा अक्षय दुबे अपने दोस्त जानकी प्रसाद श्रीवास ,देवेन्द्र रजक के साथ अपनी मोटर साईकल से आमगांव नाका तरफ जा रहे थें। इस दौरान तीनो मोटर साईकल से छीपा रोड तिराहा के पास पहूचे तभी एक मोटर साईकल क्र.MP49MF2272 का चालक अपनी मोटर साईकल को तेज गति लापरवाही पूर्वक चलाते हुए आया और पीछे से चाचा अक्षय दुबे की मोटर साईकल में टक्कर मार दी जिससे वह तीनो नीचे रोड पर गिर गये। इस घटना में तीनों को चोटे आने पर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

जल संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत स्टाफ डैम के 6 गेट बंद कर जल रोका गया

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। विकासखंड अमरपुर अंतर्गत ग्राम चटिया रैयत सेक्टर क्रमांक 3 चांदपुर में सुखमेर सहायक नदी पीपर नाला पुलिया कम स्टाफ डेम में 6 गेट बंद कर श्रमदान से जल संरक्षण का कार्य ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासी तथा ग्राम पंचायत कर्मी और ग्राम के पंच, सामाजिक कार्यकर्ता फूल सिंह धुर्वे, पैसा एक्ट अध्यक्ष श्रीमती सुषमा देवी धूमकेती, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक अमरलाल धुर्वे एवं नवांकुर संस्था के कार्यकर्ता श्याम सिंह धुर्वे के उपस्थिति में जल संरक्षण का कार्य किया गया। जिससे खेतों की सिंचाई मवेशियों को पीने का पानी एवं नहाने धोने का उपयोग किया जा सकेगा। इस कार्य में कुल 17 लोगों के द्वारा दो दिन तक श्रमदान में कार्य किया गया।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व महाअभियान 3.0 की समीक्षा बैठक संपन्न

डिंडौरी। संभागायुक्त अभय वर्मा राजस्व महा अभियान 3.0 के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उक्त बैठक में कलेक्टर हर्ष सिंह, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी रामबाबु देवांगन सहित अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे। राजस्व महाअभियान 15 नवंबर 2024 से 15 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें सभी आमजन राजस्व मामलों का त्वरित निराकरण करवा सकते हैं। संभाग आयुक्त अभय वर्मा ने राजस्व अभियान के संबंध में नामांतरण, बटवारा, फौतीनामा, अभिलेख दुरूस्ती, सीमांकन, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, नक्शे में बटाकंन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री, ईकेवायसी सहित अन्य राजस्व मामलों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व महाभियान के तहत दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी तहसीलदार अपने अधीनस्थ पटवारियों को प्रतिदिन का लक्ष्य सौंपे और प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें।

पुलिसकर्मी पर किया जानलेवा, पुलिस सरगर्मी से कर रही तलाश

अनूपपुर। बदमाशों में कानून का खौफ खत्म हो गया है। यही वजह है कि बदमाश वारदात को अंजाम देने बिल्कुल भी नहीं कतरा रहे हैं। शहडोल जिले में एक पुलिसकर्मी पर कुछ बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया और लूट की वारदात को अंजाम दिया है। हमले में पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यह घटना अमलाई थाना क्षेत्र के बट्टुरा मौहरी दाई माता मंदिर के पास की है। जहां बुधवार रात अनूपपुर यातयात में पदस्थ आरक्षक सुखसेन कोल पर राजू सरंगिया, संजय सूरज सहित अन्य लोगों ने जानलेवा हमला कर घायल कर दिया उसके बाद पुलिसकर्मी का मोबाइल, वायरलेस और कैश लूटकर भाग खड़े हुये। इधर, मौके पर पहुंचे लोगों ने आरक्षक को गंभीर अवस्था में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है।

पेट्रोल पंप मे 15 हजार के लूट के चार आरोपियों को 7-7 वर्ष का कठोर कारावास

अनूपपुर। जिला लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय न्यायालय पंकज जायसवाल, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश अनूपपुर के न्यायालय ने सत्र प्र.क्र. 30/2022 थाना कोतवाली अनूपपुर के अपराध क्र. 161/22 धारा - 394, 34 भादवि में आरोपी राजू उर्फ भैया यादव, पिन्टू यादव, बेटू यादव एवं अनिल यादव को 07 -07 वर्ष का कठोर कारावास एवं 10-10 हजार रू. के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। मामले में शासन की ओर से पैरवी लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा की गई। 25.03.2022 को थाने में आहत प्रकाश यादव के संबंध में अस्पताली तहरीर प्राप्त होने पर जांच हेतु अस्पताल जाकर आहत प्रकाश यादव का कथन लेख करने पर उसने बताया कि वह शहडोल-कोतमा हाईवे रोड पर मॉ विरासनी पेट्रोल पम्प पर नोजल मैन के पद पर कार्य करता है।

संभागायुक्त ने बडझर आदिवासी बालक आश्रम का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी ।

संभागायुक्त अभय वर्मा ने बडझर आदिवासी बालक आश्रम का औचक निरीक्षण कर बालक आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर हर्ष सिंह, सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। संभाग आयुक्त ने बालक आश्रम के अधीक्षक से उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं से जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि आश्रम में कुल 39 बच्चें हैं, बच्चों को मीनू आधारित नाश्ता, भोजन उपलब्ध कराया जाता है। जिसमें प्रतिदिन अलग-अलग भोजन व्यवस्था की जाती है। आयुक्त वर्मा ने रसोई घर का निरीक्षण कर साफ-सफाई, पेयजल एवं भोजन गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने रसोई घर में कार्यरत रसोईयों से उक्त संबंध में जानकारी ली। आयुक्त श्री वर्मा ने बालकों के कक्षों का निरीक्षण किया, जिसमें मच्छरदानी, स्वच्छता, बिजली व्यवस्था सहित मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधीक्षक को कमरों के लिए उचित बिजली व्यवस्था एवं रोशनी के लिए निर्देशित किया। उन्होंने मूलभूत सुविधाओं के संबंध में उपस्थित बच्चों से भी चर्चा कर वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। आयुक्त वर्मा ने अधीक्षक को शीत ऋतु के मद्देनजर बच्चों को स्वेटर, आदि सुविधाओं के लिए निर्देशित किया। उन्होंने स्कूल में पढ़ रहे बच्चों से भी चर्चा कर संबंधित विषय के बारे में जानकारी ली।

जिले के 8 खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय स्पर्धाओं के लिए हुआ चयन

विदिशा एवं सिंगरौली में जनजाति कार्य विभाग म.प्र. का कर रहे

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

कलेक्टर के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग डॉ0 संतोष शुक्ला के मार्गदर्शन में तथा शालेय खेल कैलेंडर 2024-25 के अनुसार जिले के खिलाड़ी विभिन्न विधाओं में शालेय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे है। 68 वीं शालेय राज्य स्तरीय 14 वर्ष (मिनी) वॉलीबॉल सिंगरौली में कुमारी ममता मस्तराम, पार्वती परस्ते, रानू परस्ते, सोनम परस्ते सी एम राइज शहपुरा एवं 19 वर्ष (सीनियर) फुटबॉल विदिशा में कुमारी रेखा कुशराम, देवेंद्री, नेटी, मिंकी धुर्वे, सुभासा पेन्द्रो उत्कृष्ट विद्यालय करंजिया का विकासखंड, जिला, संभाग एवं विभागीय राज्य स्तरीय स्पर्धाओ में खेल कौशल एवं खेल दक्षता को देखते हुए विषय विशेषज्ञों द्वारा चयनित किया गया है। जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री पी.एस राजपूत ने बताया कि चयनित बालिकाएं जनजाति कार्य विभाग से 68 वीं शालेय राज्य स्तरीय स्पर्धाओ में 19 से 22 नवम्वर 2024 तक, कोच अनिल लोधी, दिलीप सोनवानी के कुशल नेतृत्व में भाग ले रही हैं। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर डॉ. संतोष शुक्ला सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग, प्राचार्य अजय राय, यशवंत साहू, डी.के श्रीवास्तव, पीडी पटेल, आरके पांडे, संदीप सोनी प्रशिक्षक रमा साहू, नवीन खरगाल, अनिल लोधी, परवेज खान, धर्मेंद्र मार्को, रोहित चन्द्रौल, डॉली कोरचे इत्यादि ने हर्ष व्यक्त कर उज्जवल भविष्य कामना की है।

रोल प्रेक्षक अभय वर्मा ने मतदान केन्द्र प्राथमिक शाला गुतलवाह का किया निरीक्षण

डिंडौरी। कमिश्नर जबलपुर संभाग एवं रोल प्रेक्षक अभय वर्मा ने आज गुरूवार को मतदान केन्द्र एकीकृत मा. विद्यालय प्राथमिक शाला गुतलवाह, शहपुरा एवं एकीकृत माध्यमिक शाला प्राचीन डिंडौरी का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ से फार्म-6 फार्म-7 एवं फार्म- 8 की जानकारी लेते हुए आवेदित फार्म का परीक्षण किया। नामांतरण की स्थिति में बीएलओ एवं अन्य अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हर्ष सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कमिश्नर एवं रोल प्रेक्षक अभय वर्मा ने नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ने और मृतकों के नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए ग्राम पंचायतों एवं नगर परिषदों को मृत्यु प्रमाण पत्र की फोटो प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित करने को कहा है, जिससे मतदाता सूची को संशोधित किया जा सकें। नवीन मतदाताओं को मोबाइल एप के उपयोग के बारे में बताने को कहा। कमिश्नर एवं रोल प्रेक्षक श्री वर्मा ने बीएलओ पंजी, लैंगिक अनुपात के बारे में जानकारी ली और मतदाता सूची में फोटो, नाम, उम्र में संसोधन कराने के निर्देश दिए, उन्होंने बीएलए की स्थिति के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले सभी नवीन मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें एवं ईपी अनुपात में सुधार कार्य करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि किसी एक घर में मतदाताओं की संख्या 6 से ज्यादा होने पर आकलन कर वस्तुस्थिति अनुसार उचित कार्यवाही कर मतदाता सूची को ठीक करें। सभी बीएलओ के संपर्क व अन्य जानकारी संबंधित क्षेत्र के मतदाओं तक उपलब्ध करायें। कमिश्नर एवं रोल प्रेक्षक श्री वर्मा ने मतदान केन्द्रों में सुधार के लिए आवश्यक प्रस्ताव को भेजने के लिए निर्देशित किया, जिससे समय पूर्व मतदान केन्द्र को दुरूस्त किया जा सके।

नेत्र जांच शिविर का आयोजन संपन्न

अमरकंटक। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक मे 19 नवंबर को प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर एके शुक्ला के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजेंद्रग्राम समूह की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में नेत्र जांच शिविर कार्यक्रम का आयोजन बहुउद्देशीय सभागार में किया गया। कार्यक्रम में चार स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी एवं चार पैरामेडिकल स्टाफ के सहयोग से नवोदय विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं के नेत्रों का संपूर्णता से जांच किया गया। श्रीमती आशा पटेल स्टाफ नर्स जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक की अध्यक्षता में सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकगण एवं समस्त कर्मचारियों के नेत्रों का जांच सफलता पूर्वक किया गया। प्रभारी प्राचार्य ने राजेंद्रग्राम से आये सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं पैरामेडिकल स्टाफ का स्वागत एवं सम्मान करते हुए कहा कि आप लोगों के सहयोग मात्र से ही हमारे छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न बीमारियों से बचाव होता रहता है। इस अवसर पर डीएस सेंगर, एसके सोनी, के कुमार, आरके झा, आशीष कुमार शक्ति राय, अतुल सिंह चौहान, सचिन जाटव, एचपी पटेल, हेमराज गुजरे, सूरेबिन, के देवकटे, सुश्री पुष्पारानी पटनायक, श्रीमती दुर्गेश पटेल, श्रीमती मुक्तासरीन, श्रीमती मनोरमा कौशल, श्रीमती सीमा त्रिपाठी, सुश्री अनामिका द्विवेदी, सुश्री रोशनी द्विवेदी सुश्री कल्पना यादव एवं विद्यालय प्रांगण के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

सकरा में नियम विरुद्ध बने वाटर पार्क के लिए मालिक लगा रहे विभागों के चक्कर

बंद मौत के गड्ढे को फिर चालू कराने की चल रही तैयारी

अनूपपुर।

जिला मुख्यालय अनूपपुर से मजह 10 किलोमीटर दूर अनूपपुर तहसील अंतर्गत ग्राम सकरा मे नियम विरुद्ध ढंग से निर्माणाधीन वाटर पार्क को एक बार फिर खोलने के लिए वाटर पार्क संचालक द्वारा ग्राम पंचायत से लेकर तहसील व कलेक्ट्रेट कार्यालय के चक्कर लगाए जा रहे है, ताकि अवैध ढंग से निर्माण किए गए वाटर पार्क को कही से तो अनुमति के दस्तावेज मिल जाए लेकिन जिम्मेदार विभाग ने बड़ी ही सक्रियता से इस अवैध तरीको से बिना तकनीकी गुणवत्ता के निर्माण कराये गये वाटर पार्क को अनुमति देने से हाथ खड़ा कर दिया है।

हो चुकी है एक मौत

ग्राम सकरा मे बंद पड़े क्रेशर के गड्ढे में नियम विरुद्ध तरीके से वाटर पार्क का निर्माण कराकर वाटर पार्क मलिक रईस खान द्वारा उसे मौत का गड्ढा बना दिया गया था। बिना तकनीकी स्वीकृति व संबंधित विभाग से अनुमति के बगैर रईस द्वारा अपने आर्थिक लाभ के लिए आधे अधूरे वाटर पार्क को चालू कर जानबूझकर लोगो के जान के साथ खिलवाड़ करना शुरू कर दिया था। दिन दुगनी रात चौगुनी कमाई के चक्कर में वह इतना मदहोश हो गया कि वह अपने यहां खुदवाये गए मौत के कुएं में बुलाने के लिए सोशल मीडिया पर आकर्षक लुभावने प्रचार प्रसार कर लोगों को अपने यहाँ तक खींच लाया। वाटर पार्क के मलिक रहीश के आकर्षण विज्ञापन से 16 वर्षीय मासूम शुभम प्रजापति भी अपने पांच दोस्तों के साथ वाटर पार्क आ पहुंचा। उसे वाटर पार्क की गहराई का अंदाजा नहीं था कि यह वाटर पार्क क्रेशर के गड्ढे मे टाइल्स लगाकर निर्मित है और उसे अपनी जान गवानी पड़ी जहाँ कोतवाली पुलिस ने वाटर पार्क संचालक रईस खान के खिलाफ गैर जमानती धारा पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

नहीं दी कई विभागों ने एनओसी

प्राप्त सूत्रों के अनुसार वाटर पार्क के संचालक के लिए कई विभागों की अनुमति की आवश्यकता होती है। संबंधित विभाग तकनीकी परीक्षण के उपरांत अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करता है जहाँ पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह देखा जाता है कि वाटर पार्क में एक महिला व एक पुरुष तैराक की नियुक्ति के साथ-साथ वाटर पार्क की गहराई 4.5 फिट होनी चाहिए लेकिन उसकी गहराई 08 फिट से अधिक है। एक कंपाउंडर की नियुक्ति का भी प्रावधान है साथ ही पार्क मे ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ-साथ फर्स्ट एड मेडिकल किट होनी चाहिए लेकिन यह कोई भी आवश्यक मापदंड को पूर्ण नहीं कर रहे है। इसके उपरांत ग्राम पंचायत से भी अनुमति लेनी होती है पर अन्य विभागों की शर्तों को पूरी न करने के कारण यह जिम्मेदार विभाग भी अनापत्ति प्रमाण पत्र देने से साफ इंकार कर दिया परंतु वाटर पार्क संचालक द्वारा धन बल के माध्यम से अवैध तरीके से निर्मित वाटर पार्क की अनुमति लेना चाहता है।

हमारी संस्कृति धर्म पर आधारित, जैसे तैसे नहीं चलती - प्रेमभूषण महाराज

महाराज जी के कई सुमधुर भजनों ने श्रोताओं को किया भावविभोर

अनूपपुर।

संतो का वचन है कि हर किसी के जीवन में 10 वर्ष की विशेष दशा आती है। इन दस वर्षों में अगर आप सत्य के आश्रय में चाहे तो अपना जीवन सुधार सकते हैं और चाहें तो असत्य के आश्रम में जाकर अपना जीवन बिगाड़ सकते हैं। उक्त बातें जिला मुख्यालय स्थित कथा पंडाल में श्री राम कथा का गायन करते हुए तृतीय दिन प्रेमभूषण महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कहीं। श्रीराम कथा गायन मे प्रभु श्रीराम के प्राकट्य का प्रसंग सुनाते हुए महाराज जी ने कहा कि भगवान में विश्वास रखने वाले सत्य के आश्रय में अपनी दशा को 10 वर्ष में संभाल कर पूरा जीवन सुख पूर्वक व्यतीत करते हैं। सत्य के अन्वेषण में लगा व्यक्ति सत्य की ओर बढ़ता बढ़ता चला जाता है और झूठ उससे दूर चला जाता है। यह प्रमाणित है कि असत्य (झूठ) का कोई अस्तित्व नहीं होता है। थोड़े से लाभ के लिए भी असत्य का आश्रय लेने वाले को गड्ढे में पहुंचना ही होता है। महाराज श्री ने कहा कि संसार में भगवान कुछ भी नहीं करते हैं। प्रकृति की व्यवस्था ही सब कुछ करती है। हमारे चित्त की गति जैसी होती है हमारी मैत्री भी वैसे ही लोगों से होती है। सत्संगी को सत्संगी का संगत अच्छा लगता है और कुसंगी को अपने जैसे लोगों का ही साथ अच्छा लगता है। अगर भगवान की ओर बढ़ना है तो पहले उनको मानना आवश्यक है। भगवान को मानने वाला ही भगवान को जान पाता है। मानना स्वयं पड़ता है, कोई हमें समझा नहीं सकता है, मनवा नहीं सकता है। पूज्य श्री ने कहा कि अखाद्य पदार्थ और मदिरा दोनों मनुष्य को पाप के मार्ग पर ले जाते हैं। ऐसे लाखों उदाहरण भरे पड़े हैं कि जिन सनातन परिवारों में मांस और मदिरा का सेवन शुरू हुआ उनके कुल में केवल उत्पाती लोगों का ही आगमन हुआ।

डुप्लीकेट अंकसूची की सूचना

भूपेन्द्र सिंह चन्देल पिता श्री चन्द्रप्रकाश चन्देल ग्राम - चटुवा तह. व जिला डिण्डौरी के केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की मूल अंकसूची गुम जाने के कारण डुप्लीकेट अंकसूची की आवश्यकता है। विद्यार्थी हित में सूचना प्रसारित की जा रही है।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, डिण्डौरी
अधिसूचना
डिण्डौरी दिनांक 13/11/2024

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड कम्पनी जबलपुर मण्डल प्रोपराईट प्रोपराईटर Shri Akash Bhalavi S/O Shri Arun Kumar Bhalavi, R/0Main Road Village & Post Gorakhpur, Within 4Km Towards Dindori From Gorakhpur Chowk Dindori ON Dindoiri Amarkantak Road. Distt. Dindori The proposed site is situated on the piece of land bearing खसरा नं. 263 ग्राम माधोपुर पोस्ट गोरखपुर तह. बजाग जिला डिण्डौरी में स्थापित किये जाने वाले न्यू रिटेल आउट लेट ((पेट्रोल पम्प / डीजल पम्प) हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किए जाने अनुरोध किया गया है ।

अत: पेट्रोलियम नियम 2002 के नियम 144 के अंतर्गत प्रश्नागत भूमि पर पेट्रोल पम्प / डीजल पम्प की स्थापना से यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति होने है तो वह अपनी आपत्ति अधिसूचना प्रकाशित होने के 30 दिवस के अंदर इस कार्यालय में लिखित प्रस्तुत कर सकता है । निर्धारित अवधि समाप्त होने उपरान्त प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला- डिण्डौरी

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 22 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

नगर पालिका गोटेगाँव का इन्दौर में हुआ सम्मान

गोटेगांव। नगरपालिका परिषद का हुआ सम्मानित किया गया सरकार की आयोजन के तहत विगत 21 नवम्बर को बंसल न्यूज़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम इन्दौर मे केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गोटेगाँव नगर पालिका को सम्मानित किया गया जिसमे नगर पालिका अध्यक्ष पूनम जितेन्द्र ठाकुर की ओर से अध्यक्ष के प्रतिनिधि के रूप मे सुनील भनारे सहायक ग्रेड ने इंदौर मे सम्मान प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जनजातीय कार्य मंत्रालय नई दिल्ली भारत सरकार ने देशभर में 15 नवम्बर से 26 नवम्बर 2024 तक ष्जनजातीय गौरव दिवस- 2024 मनाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कृष्ट अभियान के अंतर्गत जिले के 6 विकासखंडों में 73 ग्रामों का चयन किया गया है। इन ग्रामों में 18 विभागों की 25 योजनाओं से जनजातीय समुदायों के लोगों को लाभान्वित किया जायेगा। इन योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाने के उद्देश्य से आईईसी गतिविधियां आयोजित जा रही हैं। जनजातीय बाहुल्य ग्राम और आकांक्षी जिलों में जनजाति समुदाय के सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों के विकास को बढ़ाना है। इसके लिए बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, और आजीविका में अंतर को कम करने पर ध्यान दिया जाएगा। प्रधानमंत्री जन जाति उन्नत ग्राम अभियान में जिले के 6 विकासखंडों के 73 ग्रामों को शामिल किया गया है।

निर्धारित दर पर ही करें उर्वरक विक्रय

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। उप संचालक कृषि ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे अनुशंसित मात्रा के अनुसार ही उर्वरकों को क्रय करें व अनावश्यक भण्डारण नहीं करें। राज्य शासन द्वारा यूरिया के लिए 266.50 रुपये और डीएपी 1350 रुपये की दर निर्धारित की गई है। जिले के किसान निर्धारित दर पर ही उर्वरकों का क्रय करें। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भण्डारण व परिवहन रोकने के लिए टीम का गठन कर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाये जाने पर उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत ठोस वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

घाट प्रबंधन समिति होगी गठित

बरमान मेला की तैयारियां, बैठक में बनी रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर । नर्मदा तट पर बरमान में प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाले प्रसिद्ध मेले की प्रारंभिक तैयारियों के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में बरमान रेस्ट हाउस में हुई। बैठक में मेला समिति के सदस्यों से सुझाव लेकर मेले को और बेहतर स्वरूप देने पर विचार- विमर्श किया गया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता ठाकुर, सहायक कलेक्टर शुभम यादव, मेला समिति के सदस्य, व्यापारी वर्ग, संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

लाइट की हो पर्याप्त व्यवस्था

बैठक में कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि मेले में नरसिंहपुर जिले के साथ- साथ अन्य निकटवर्ती जिलों से श्रद्धालुओं का आना होगा, उनकी सुविधा का पूरा ध्यान रखा जायेगा। अधिकारियों- कर्मचारियों, राजस्व, जनपद के स्थानीय अमले के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोगों को इस दौरान सौंपे गये दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करेंगे। बैठक में स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में सुझाव लिये गये। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देशित किया कि पुल पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

वसूला जाये स्पॉट फाइन

बैठक में सर्वसम्मति से बरमान घाट प्रबंधन (उत्थान) समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। ग्राम पंचायत एवं विक्रेता सेवा प्रदाताओं के मध्य सेवा शर्तों के साथ अनुबंध किया जाएगा। सेवा प्रदाताओं का पंजीयन करने के साथ उनके पहचान पत्र बनाए जाएँगे। विक्रेता और सेवा प्रदाताओं से स्वच्छता एवं संपत्ति कर प्रतिमाह की दर से नियमित रूप से वसूला जाएगा। वॉलेंटियर्स के माध्यम से गन्दगी करने वालों के ऊपर स्पॉट फाइन किया जावेगा, जिसकी 50 प्रतिशत राशि वालंटियर और 50 प्रतिशत ग्राम पंचायत के खाते में जमा की जावेगी। आईईसी गतिविधियों के माध्यम से इनका व्यापक प्रचार- प्रसार सुनिश्चित किया जाये। श्रद्धालुओं के लिए घाटों के समीप चेंजिंग रूम आदि सुविधाएं बढ़ाने के लिए

कार्यवाही की जावेगी।

साफ सफाई के लिये करें प्रोत्साहित

बैठक में निर्देश दिये गये कि मेला में अस्थाई शौचालय, विद्युत और पेयजल की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। कलेक्टर ने मेला स्थल पर पार्किंग, चिकित्सा व्यवस्था, आवश्यकतानुसार फायर बिग्रेड, कंट्रोल रूम, सीसीटीवी कैमरे, जनरेटर, शौचालय, मोटरबोट, तैराक आदि से संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। मेले में दुकानों की जगह का ले आउट तैयार करने के निर्देश मेला समिति सचिव को दिए ताकि दुकानदारों को दुकान का आवंटन समय पर हो जाये। सभी दुकानदार साफ सफाई को प्रोत्साहित करें। इसके लिए डस्टबिन की व्यवस्था दुकानों के पास स्वयं से करें।

राजस्व कर्मी घरों व खेतों में जाकर कर रहे प्रकरणों का निराकरण

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश सहित जिले में राजस्व महाअभियान 3.0 चलाया जा रहा है। जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में राजस्व विभाग के अधिकारी - कर्मचारी राजस्व महाअभियान को गति दे रहे हैं। जिले में राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण के लिए कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है, तो वहीं दूसरी ओर राजस्व अमले के कर्मचारी घरों व खेतों में जाकर लोगों के प्रकरणों का निराकरण कर रहे हैं। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन, नक्शा अद्यतन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग आदि के कार्य

किये जा रहे हैं। राजस्व महाअभियान के अंतर्गत 20 नवम्बर तक नामांतरण के 218, बंटवारा के 19, अभिलेख दुरुस्ती के दो, सीमांकन के 16, नक्शा अद्यतन के 185 और आधार से आरओआर खसरे की 909 लिंकिंग का कार्य किया जा चुका है। जिले में नामांतरण 24.91 प्रतिशत, बंटवारा 15.08 प्रतिशत और सीमांकन 26.23 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में 20 नवम्बर तक नामांतरण के 218 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, जो 24.91 प्रतिशत है।

प्रतिभाशाली गरीब मुस्लिम बच्चों को वक्फ बोर्ड देगी छात्रवृत्ति

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा शिक्षा नीति (पढ़ो पढ़ाओ एवं राष्ट्रीय निर्माण में भागीदारी बनो) के संबंध में पारित निर्णय के परिपालन में एवं बाकिफ की मंशा (दान करता की इच्छा शर्तों) के अनुसार मुस्लिम गरीब छात्र-छात्राओं को मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड द्वारा प्रत्येक जिले में वक्फ संपत्तियों की प्रबंध व्यवस्था हेतु गठित जिला वक्फ कमेटी एवं प्रबंध संपत्तियों द्वारा वर्ष 2023-24 में कक्षा दसवीं में 65 या उससे अधिक अंक लाने वाले ऐसे विद्यार्थी जो आगे पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है ऐसे छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दिए जाने का निर्णय मध्य प्रदेश वक्फ ने लिया है। बताया जाता है कि छात्रवृत्ति कक्षा 11वीं 12वीं एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं तथा नीट आदि की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को मदद के रूप में जिला स्तरीय मेरिट के आधार पर भौतिक सत्यापन के पश्चात उनके इंस्टीट्यूट को बैंकिंग के माध्यम से दिया जाना है, छात्रवृत्ति हेतु आवेदन फार्म एवं विस्तृत जानकारी मध्य प्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा बनाए गए।

जीवन में जितना दान करोगे उतना ही फल मिलेगा: कथा व्यास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्थानीय जगन्नाथपुर विधानसभा तेन्दुखेड़ा में आयोजित श्रीमद भागवत कथा में कथा व्यास परम पूज्य संत महामंडलेश्वर श्री अतुलेश्वरानंद जी महाराज के मुखारविन्द से अमृतमयी भगवान की कथा का रसपान कराया जा रहा है जिसमे बताया गया कि वामन अवतार तथा राता बलि की कथा का विस्तार से वर्णन किया। महाराज श्री द्वारा आगे कथा बताते हुये भगवान श्री कृष्ण की जन्म कथा का पावन वृतांत सुनाया एवं बाल लीलाओं चर्चा करते हुये मातृ प्रेम, मित्रता प्रेम, कंश वध, कालिया दहन, रासलीला, जरासंध वध की कथा सुनाई। महाराज श्री द्वारा बताया गया कि मनुष्य को हमेशा भगवान के प्रति आस्था श्रद्धा और पूजन पाठ इन सबको अपने जीवन में अपनाना चाहिए क्योंकि अंत समय में अपने जीवन में कुछ गलतियां की हो तो भी अंत समय में भागवत भगवान स्मरण कर मृत्यु को प्राप्त होता है तो उसकी सद्गति हो जाती है। मनुष्य के जीवन का लक्ष्य मोक्ष प्राप्ति है और मोक्ष बिना भगवान के भजन कीर्तन के संभव नही है। भगवान को प्राप्ति का सबसे प्रमुख साधन भक्ति है भाव सहित भक्ति में लीन होकर ही भगवान को प्राप्त कर सकते है। मनुष्य को व्यर्थ मोह माया में नही पड़ना चाहिये ब्राम्हण व संतो का सम्मान करना चाहिये जीवन मे जितना दान करोगे वैसा ही फल आपको मिलेगा दान करने भगवान प्रसन्न होते है। आज आगे की कथा में रुक्मणी विवाह का मन मुग्ध कर देने वाला प्रसंग सुनाया जावेगा। उक्त कथा 24 नवंबर तक चलेगी।

पुरूष नसबंदी पखवाड़ा जागरूकता रथ को किया रवाना

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। परिवार कल्याकण कार्यक्रम के तहत ष्आज ही करें पति- पत्नी मिलकर परिवार नियोजन की बातष् की थीम पर पुरूष नसबंदी पखवाड़ा का आयोजन 21 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2024 तक दो चरणों में किया जायेगा। पुरूष नसबंदी पखवाड़ा के आयोजन के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष प्रकाश सिंह ने सारथी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएमएचओ डॉ. सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में प्रतिवर्ष पुरूष नसबंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य परिवार कल्याण कार्यक्रम में पुरूषों की भागीदारी को बढ़ावा देना है। जिले में पुरूष नसबंदी पखवाड़े का आयोजन दो चरणों में किया जायेगा। प्रथम चरण में 21 से 27 नवम्बर तक सामाजिक जागरूकता से संबंधित गतिविधियों आयोजित की जायेंगी और दूसरे चरण में 28 नवम्बर तक प्रदायगी गतिविधि के रूप में मनाई जायेगी। जिला अस्पताल नरसिंहपुर, सिविल अस्पताल गाडरवारा अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में पुरूष नसबंदी ऑपरेशन के शिविर आयोजित किये जायेंगे। इस दौरान चिन्हित इच्छुक हितग्राही का बिना चीरा, बिना टांका व दर्द रहित नसबंदी ऑपरेशन किया जायेगा। यह सारथी रथ जिले के गांव- गांव भ्रमण करेगा और लोगों को परिवार कल्याण का संदेश देगा। इसके अलावा ब्लॉक शहरी क्षेत्र के कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, पुरुष एवं महिला सुपरवाइजर, पुरुष एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता एवं आशा सहयोगी, नारे लेखन, पोस्टर पम्पलेट आदि के माध्यम से पुरुष नसबंदी का व्यापक प्रचार- प्रसार किया। इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. राजकिशोर पटेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती भारती चौरसिया, श्रीमती हर्ष ठाकुर, दिनेश पटैल, रंजीत चौधरी, कार्यालय के अन्य कर्मचारी तथा समस्त स्टाफ मौजूद था।

पूर्व राज्य मंत्री श्री पटेल ने वितरित की साइकिल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करेली में अध्ययनरत छात्राओं को साईकिल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस समारोह में विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई जब उन्हें साइकिलें वितरित की गईं कन्या स्वरूप छात्राओं के मुस्कुराते हुए चेहरे देख उपस्थित जानो ने उन्हें शुभकामनाएं दी उक्त कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी समाजसेवी रमेश कोचर नपा अध्यक्ष सुशीला ममार उपाध्यक्ष अनीता नेमा मंडल अध्यक्ष रजत चैहान जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार सहित अन्य सामाजिक लोग शामिल हुए जिन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए शासन का इस महत्वपूर्ण योजना के लाभ वितरण में शामिल हुए इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा तक पहुंच को सुगम बनाना अत्यंत आवश्यक है।

नर्मदा परिक्रमा पर निकले श्रद्धालु

तेंदूखेड़ा। गुरुवार को तेंदूखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालु एवं पूर्व विधायक श्री संजय शर्मा की पूज्य माता जी अपने सभी संबंधियों के साथ नर्मदा परिक्रमा पर ब्रम्हांड घाट के दक्षिण तट से बसों के माध्यम से निकलें यात्रा पर जाने के पूर्व विधी विधान से पूजन अर्चन किया गया जिसमें संजय शर्मा एवं परिक्रमा पर जा रहे श्रद्धालुओं के परिजन रिश्तेदार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गोटेगांव रजिस्ट्री कार्यालय में अव्यवस्था, प्रभारी अधिकारी की गैरहाजिरी से जनता परेशान

गोटेगांव। रजिस्ट्री कार्यालय में रजिस्टर प्रभारी अधिकारी की अनुपस्थिति ने आम नागरिकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लोगों का कहना है कि अधिकारी का कार्यालय में नियमित रूप से उपस्थित न रहना, उनके कार्यों में बाधा बन रहा है,गोटेगांव के रजिस्ट्री कार्यालय में प्रभारी अधिकारी की अनियमित उपस्थिति ने जनता को मुश्किल में डाल दिया हैं नागरिकों का कहना है कि अधिकारी केवल हफ्ते में एक या दो दिन ही ड्यूटी पर आते हैं। उनकी इस गैरहाजिरी के कारण लोगों को अपने जरूरी दस्तावेजों और रजिस्ट्रियों के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं,नागरिकों का आरोप है कि अधिकारी के प्रभारी पद पर

होने की वजह से उनके पास कई अन्य जिम्मेदारियां हैं, और गोटेगांव कार्यालय को वह प्राथमिकता नहीं दे पा रहे हैं। अधिकारी की गैरमौजूदगी के कारण रजिस्ट्री और अन्य कानूनी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे, जिससे न केवल आम नागरिकों को परेशानी हो रही है, बल्कि व्यापारिक और प्रॉपर्टी ट्रांजेक्शन भी प्रभावित हो रहे,गोटेगांव रजिस्ट्री कार्यालय में प्रभारी अधिकारी की इस अनियमितता ने सरकारी सेवाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस समस्या का समाधान कब तक करता है। जनता को उम्मीद है कि जल्द ही इस मुद्दे पर कार्रवाई होगी, ताकि उनका समय और श्रम दोनों बच सके।

6 करोड़ के भवन में छात्रों को पीने के पानी की किल्लत

घर से बाटल में पानी लेकर आते हैं छात्र

तेंदूखेड़ा। शासन ने छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में करोड़ों रुपए शायद इसीलिए खर्च किए थे कि तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने आ रहे छात्रों को पर्याप्त सुविधाएं मिलेंगी। लालफीताशाही और ठेकेदारों की मिली भगत से योजनाओं और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को ताक पर रख कर काम होने के चलते जहां शासन की उद्देश्य पूर्ति नहीं हो पा रही है वहीं छात्र भी सुविधाओं को लेकर एक दूसरे का मुंह ताक रहें हैं।ऐसा ही एक मामला तेंदूखेड़ा में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में देखा जा सकता है। जहां तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा लगभग छः करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च करके आई टी आई का भवन बनाया है जिसकी गुणवत्ता और सुविधाओं के नाम पर शुरू से ही सवालिया प्रश्न खड़े हो रहें हैं। यहां पर स्थिति यह बनीं हुई है कि नगर की नर्मदा जल पेयजल आपूर्ति पाइपलाइन से यहां पर कनेक्शन ले रखा है लेकिन यहां पर्याप्त मात्रा में पानी ही नहीं पहुंच पाता है जिस कारण से कर्मचारियों और छात्रों को पानी पीने की समस्या बनी हुई है। छात्र छात्राएं अपनी प्यास बुझाने के लिए स्वयं अपने अपने घरों से पानी की बाटलो में पानी भर कर लातीं है।

कबाड़ में तब्दील हो गया लाखों रुपए का जनरेटर

आई टी आई में बिजली समस्या अव्यवस्था के चलते यहां पर पांच साल पूर्व आठ रुपए की लागत से एक जनरेटर ख़रीदा गया था लेकिन उसका उचित रखरखाव ना होने की स्थिति में वह कबाड़ में तब्दील हो गया है। चूंकि यह व्यवस्था इसलिए की गई थी कि इलेक्ट्रिशियन के छात्रों को बिजली की समस्या के चलते और संस्था में नियमित बिजली मिले इसलिए यह व्यवस्था बनाई गई थी लेकिन संस्था प्रबंधन ने इसका उचित दिशा में देखभाल ना करने की स्थिति में उसे कबाड़ में तब्दील कर दिया।

आज तक नहीं हो सकी इंटरनेट की सुविधा

इस औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में एक और विसंगति पूर्ण स्तिथि यह देखने को मिली है यहां पर आज तक जबसे आईटीआई खुली है तब से आज तक इंटरनेट की सुविधा मुहैया नहीं हो पाई है।कोपा विषय की शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को यह व्यवस्था बहुत ही जरूरी है लेकिन निजी डिवाइज लेकर आज भी जुगाड़ू काम चलाया जा रहा है। और छात्रों के सामने कनेक्शन ना होने का रोना रोया जाता है।

गोटेगांव में झोलाछाप डॉक्टरों का आतंक: मरीजों की जिंदगी खतरे में

गोटेगांव। स्थानीय नगर में इस समय झोलाछाप डॉक्टरों का हौसला इतना बढ़ चुका है कि वे बिना किसी डर के मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इन क्लीनिकों में बड़ी मात्रा में बिना लाइसेंस की दवाइयां रखी जा रही हैं, और मरीजों को खुद की ओर से दवाइयां दी जा रही हैं। ग्रामीण और भोले-भाले मरीज इनकी चाल में फंसकर 1000 से 2000 रुपये तक की भारी रकम चुकाने को मजबूर हैं।

मरीजों की जान से खिलवाड़

इन झोलाछाप डॉक्टरों के पास किसी तरह की मेडिकल डिग्री या प्रमाणपत्र नहीं है, फिर भी ये खुलेआम अपना धंधा चला रहे हैं। गलत दवाइयों और इलाज की वजह से कई बार मरीजों की स्थिति गंभीर हो जाती है, लेकिन फिर भी इनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही।

प्रशासन की चुप्पी

अब तक प्रशासन की ओर से इन डॉक्टरों पर

कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई है। इसके चलते इनका नेटवर्क और मजबूत हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का फायदा उठाकर ये झोलाछाप डॉक्टर लोगों की मजबूरी का शोषण कर रहे हैं।

ग्रामीणों की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करते हुए ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिकों को बंद करना चाहिए। साथ ही, इस तरह के गैर-कानूनी कार्यों में शामिल लोगों पर सख्त कानूनी कदम उठाने चाहिए।

जिम्मेदार कौन?

गोटेगांव में इस तरह के मामलों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यक्षमता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या प्रशासन की लापरवाही के चलते भोले-भाले ग्रामीणों की जान दांव पर लगाई जा रही है?

इनका कहना है

इमरजेंसी दवाइयां को छोड़कर क्लीनिक में दवाइयां रखना नियम विरुद्ध जिन क्लीनिक से हमे शिकायत मिल रही थी तो हमने नोटिस जारी किए है।

डॉक्टर एस.एस धुर्वे
सीबीएमओ गोटेगांव